जम्मू-कश्मीर और पंजाब में उग्रवाद को समाप्त किए जाने हेतु यूरोपीय समर्थन

*270. **श्री अनन्त राम जायसवाल:** क्या **विदेश** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि प्रधान मंत्री ने अपनी अमरीका और अन्य यूरोपीय देशों की हाल की यात्रा के दौरान इन सरकारों के नेताओं से जम्मू-कश्मीर और पंजाब में उग्रवादियों को मिल रही पाकिस्तानी सहायता के बारे में बातचीत की थी; यदि हां तो उन्होंने किन-किन राजनीतिक नेताओं के साथ बातचीत की और इन नेताओं की इस पर क्या प्रतिक्रिया थी; और

(ख) क्या उपर्युक्त बातचीत के परिणामस्वरूप उग्रवाद को समाप्त करने हेतु इन सरकारों के साथ कोई समझौते किए गए; और यदि हां, तो प्रत्येक देश के साथ किए गए समझौते का ब्यौरा क्या है?

विदेश मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एडुआर्डो फेलेरियो): (क) सरकार ने जम्मू और कश्मीर तथा पंजाब में उग्रवादियों को पाकिस्तान के समर्थन के प्रश्न को प्रधानमंत्री के स्तर सहित विभिन्न स्तरों पर कई देशों के साथ उठाया है। विदेशी नेताओं ने हमारी स्थिति को समझा है और इस बात को माना जा रहा है कि भारत के विरुद्ध आतंकवाद को समर्थन देने में पाकिस्तान का हाथ है।

(ख) भारत और यू० के० ने हाल ही में आतंकवाद के नियंत्रक और दमन में सहयोग करने के संबंध में करारों के प्रारूप को अन्तिम रूप दिया है। इस प्रकार के सहयोग के तौर-तरीकों के बारे में अन्य सरकारों के साथ बातचीत चल रही है।

Reaction of SAARC on the Proposal of Regional Collective Security System

*271. SHRI BEKAL UTSAHI:
SHRI MURLIDHAR CHANDRAKANT BHANDARE:

Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) what is the manner in which proposals mooted by the Prime Minister of India at the SAARC Summit at Colombo in December last for a regional collective security system were received by the Summit;

(b) what was the precise nature and content of the proposals; and

(c) what has been individual reaction of SAARC members and response thereto towards implementation of the proposals?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI EDUARDO FALEIRO): (a) Sir, the Prime Minister of India, at the SAARC Summit at Colombo, had not proposed any regional collective security system.

(b) and (c) Do not arise.

Infiltration of Myanmar Nagas into the Country

*272. MISS SAROJ KHAPARDE: Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that recently there has been an influx of Myanmar Nagas into the country;

(b) whether it is also a fact that there had been a major build up of the Myanmar Army along the international border with India; and

(c) if so, what are the details thereof and what steps Government have taken/propose to take in this regard?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI EDUARDO FALEIRO): (a) Yes, Sir.

(b) Government do not have reports about a major build-up of the Myanmar Army along the international border with India. However, according to available information, the Myanmar Army has been deployed close to Indian borders at some places apparently to contain insurgent activities.

(c) The question of influx of Myanmar Nagas into India has been taken up with the Government of Myanmar who have assured cooperation in facilitating their early return. Around 100 Myanmar Nagas have already returned to their villages in Myanmar and the modalities for sending back the rest are under discussion.